संदेश आत्मा, बोकारो

सफलता की कहानी- गृह लक्ष्मी महीला मंडल, रूकाम

इस स्वयं सहायता समूह का गठन अगस्त 2001 में किया गया। इस सहायता समूह में कुल-13 आदिवासी गरीब महीलाओं का समूह है जो कि प्रत्येक सप्ताह

अपना-अपना बचत एवं कर्ज, सूद का लेन-देन करती आ रही है। इस समूह को 2007 में बैंक एवं ब्लाक की मदद से 25000/-रूपये की राशि कृषि कार्य के लिए दिया गया जिस पूँजी से समूह के सारे सदस्य सब्जी एवं अनाज की खेती करने का तरीका आत्मा कार्यालय, बोकारो एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, पेटरवार, बोकारो द्वारा देख-रेख किया गया जिससे एक-एक सदस्य प्रत्येक वर्ष 10000/- से 40000/- तक का कमाई हो रही है। साथ ही साथ इस समूह को एस.जी.एस.वाई. के तहत मुर्गापालन के लिए मुर्गा शेड अनुदान राशि पर बनाया गया तथा बैंक से कार्यशील पूंजी के लिए लोन 300000/- (तीन लाख) रू0 लेकर मुर्गा पालन का कार्य कर रही है जिससे उन्हें प्रत्येक बैच पर 1500/- से 3000/-रूपये तक की कमाई हो रही है। साथ ही RKVY योजना से पावर टीलर, पैडल थ्रेसर सिंचाई पम्प भी दिया गया साथ ही इस समूह को माईक्रोलिफ्ट भी दिया गया जिसमें सिंचाई की दिक्कत समाप्त हो गई। जिससे सब्जी एवं अनाज की खेती में बढ़ोतरी आई है।